हिन्दी पंचतन्त्र रीडर

HINDI PANCATANTRA READER

John T. Roberts

University of Virginia

Revised 1986

Copyright © 1986

by

John T. Roberts

INTRODUCTION

The Sanskrit Pancatantra was probably codified as early as the 5th century A.D. as it is known to have been translated into Pehlevi in the early 6th century. Its inspiration may have originally been from Buddhist sources, but the Pancatantra as we know it today is of Brahman workmanship.

The work begins with the story of a king who desires his foolish, ignorant sons to be instructed in the principles of conduct. A Brahman is finally found who undertakes the task and, couching his teaching in the form of fables, he produces the desired results. The princes in six months time have surpassed all others in political and moral knowledge.

As its name indicates, the work is composed of five (*pañca*) books, each with a different central theme. The stories run together in narrative form, often interlocking and overlapping. In the selections chosen for this reader some of this overlapping can be seen. However as most of the selections here are not in the original order, the endings have sometimes been reworded to avoid transitions from one story to the next.

The text is a simple Hindi rendition based on the original Sanskrit. That is, it is simple in its style, as is the original. The Hindi student may at first find the Sanskritic vocabulary somewhat difficult, but it should be noted that such vocabulary is basic to much Hindi literature. The language here is, in fact, less Sanskritic than in most modern Hindi newspapers. In this reader the vocabulary is sufficiently repetitive to acquaint the student with the basic words quite quickly.

This repetitiveness is the main reason for the choice of the Pancatantra as material for a basic reader. There is not only considerable repetition of vocabulary, but the simple sentence forms and even the story outlines are used over and over.

This reader, as it is set up, is to be read straight through, with no jumping from one selection to another. The vocabulary glossarized for the first story is quite complete. In the second selection the words glossarized in the first are not translated again. This plan continues on through the reader, subsequent glossaries being non-repetitive. In some cases, where word uses differ or meanings vary, a word may be repeated in the glossary, but the student must learn the vocabulary as he proceeds or he will be in difficulty in the later passages. It is hoped that the placing of vocabulary items at the bottom of each page will enable the student to spend more time in memorization through specific contexts and less time in page-flipping. Rapid comprehension of the words in a sentence should also make its syntax more lucid. Students should resist the temptation to write the English meanings above the original text words, and should practice each page enough times to be able to read and translate it without help from the English glosses.

John T. Roberts

Charlottesville

ABBREVIATIONS

(adj)	adjective
(adj ph)	adjectival phrase
(adv)	adverb
(adv ph)	adverbial phrase
(conj)	conjunction
(exclam)	exclamation
(f)	feminine noun
(i)	intransitive verb
(indecl)	indeclinable
(indef pro)	indefinite pronoun
(m)	masculine noun
(part)	past participle
(pn)	proper noun
(pp)	postposition
(pres part)	present participle
(reflex)	reflexive pronoun
(rel pro)	relative pronoun
(t)	transitive verb
(voc)	vocative

मित्र-द्रोह का फल

किसी स्थान पर धर्मबुद्धि और पापबुद्धि नाम के दो मित्र रहते थे। एक दिन पापबुद्धि ने सोचा कि धर्मबुद्धि की सहायता से विदेश में जाकर धन पैदा किया जाए। दोनों ने देश-देशान्तरों में घूम कर बहुत धन पैदा किया। जब वे वापस आ रहे थे तो गाँव के पास आ कर पापबुद्धि ने सलाह दी कि इतने धन को बन्धु-बाँधवों के बीच नहीं ले जाना चाहिये।

मित्र	(m)	friend
द्रोह	(m)	ill-will, hatred
स्थान	(m)	place
धर्मबुद्धि	(pn)	Highmind
धर्म	(m)	righteousness
बुद्धि	(f)	mind
पापबुद्धि	(pn)	Lowmind
पाप	(m)	wickedness, sin
सोचना	(t)	to think
सहायता	(f)	help, aid
विदेश	(m)	foreign land
धन	(m)	wealth, money
पैदा करना	(t)	to make, to amass
देश-देसान्तर	(m)	various other lands
(देश + अन्तर)		country + other
घूमना	(i)	to wander
वापस आना	(i)	to come back
सलाह	(f)	advice
बन्धु-बाँधव	(m)	relatives
के बीच	(pp)	among, in the midst of

इसे देख कर उन्हें ईर्ष्या होगी, लोभ होगा । किसी न किसी बहाने वे बाँट कर खाने का यत्न करेंगे । इसलिए इस धन का बड़ा भाग ज़मीन में गाड़ देते हैं । जब ज़रूरत होगी लेते रहेंगे ।

धर्मबुद्धि यह बात मान गया । ज़मीन में गड्ढा खोद कर दोनों ने अपना संचित धन वहां रख दिया और गाँव में चले आए ।

कुछ दिन बाद पापबुद्धि आधी रात को इसी स्थान पर जाकर सारा धन खोद लाया और ऊपर से मिट्टी डालकर गड्ढा भरकर घर चला आया ।

ईर्ष्या	(f)	envy
लोभ	(m)	covetousness, greed
किसी न किसी बहाने	(m)	on some pretext or other
बाँटना	(t)	to divide
खाना	(t)	here to squander
-ने का यत्न करना		to try to ---
यत्न	(m)	attempt
भाग	(m)	portion
ज़मीन	(f)	ground, earth
गाड़ना	(t)	to bury
ज़रूरत	(f)	need, necessity
मानना	(i)	to agree
गड्ढा	(m)	hole
खोदना	(t)	to dig
संचित	(adj)	accumulated
रखना	(t)	to put
आधी रात को		in the middle of the night
ऊपर से	(adj)	from above
मिट्टी	(f)	dirt, clay
डालना	(t)	to throw down
भरना	(t)	to fill up

दूसरे दिन वह धर्मबुद्धि के पास गया और कहा - "मित्र ! मेरा परिवार बड़ा है । मुझे फिर कुछ धन की ज़रूरत पड़ गई है । चलो, चल कर, थोड़ा-थोड़ा और ले आवें ।"

धर्मबुद्धि मान गया । दोनों ने जाकर जब ज़मीन खोदी और वह बर्तन निकाला जिस में धन रखा था, तो देखा कि वह खाली है । पापबुद्धि सिर पीट कर रोने लगा - "मैं लुट गया, धर्मबुद्धि ने मेरा धन चुरा लिया, मैं मर गया ! ...लुट गया !"

दोनों अदालत के जज के सामने पेश हुए । पापबुद्धि ने कहा - "मैं गड्ढे

परिवार	(m)	family
मुझे भन की ज़रूरत पड़ गई है		"I need money"
चलो		"Let's go !"
और	(m)	more
ले आवें = ले आएँ		"Let's go get..."
बर्तन	(m)	pot
निकालना	(t)	to take out
ख़ाली	(adj)	empty
सिर	(m)	head
पीटना	(t)	to beat, to strike
लुटना	(i)	to be robbed
चुराना	(t)	to steal
मर जाना	(i)	to die
अदालत	(f)	court
जज	(m)	judge
के सामने	(pp)	before, in front of
पेश होना	(i)	to appear, to be present

के पास वाले वृक्षों को साक्षी मानने को तैयार हूँ । वे जिसे चोर कहेंगे, वह चोर माना जाएगा ।"

अदालत ने यह बात मान ली, और निश्चय किया कि कल वृक्षों की साक्षी ली जाएगी और उस साक्षी पर ही निर्णय सुनाया जाएगा ।

रात को पापबुद्धि ने अपने पिता से कहा - "आप अभी गड्ढे के पास वाले वृक्ष की जड़ में बैठ जाइये । जब जज पूछे तो कह दीजियेगा कि चोर धर्मबुद्धि है ।"

उस के पिता ने यही किया । वह सुबह होने से पहले ही वहाँ जाकर बैठ गया । जज ने जब ऊँची आवाज़ से पुकारा - "हे वनदेवता ! आप ही साक्षी दीजिये कि इन दोनों में चोर कौन है ?" तब वृक्ष की जड़ में बैठे हुए

गड्ढे के पास वाले वृक्ष		the trees near the hole
साक्षी	1.(m), 2.(f)	1. witness 2. testimony
V-ने को तैयार होना		to be prepared to V
चोर	(m)	thief
वे जिसे चोर कहेंगे		whomever they call the thief
माना जाएगा	future passive	will be accepted
निश्चय करना	(m+t)	to decide
निर्णय	(m)	decision
निर्णय सुनाना	(t)	to pronounce a decision
पिता	(m)	father
जड़	(f)	base
सुबह	(m)	dawn
ऊँचा	(adj)	raised, loud
आवाज़	(f)	voice
पुकारना	(t)	to call out, to shout
हे	(exclam)	hey!
वनदेवता	(m)	forest god

पापबुद्धि के पिता ने कहा - 'धर्मबुद्धि चोर है, उसने ही धन चुराया है ।'

जज और राजपुरुषों को बड़ा आश्चर्य हुआ । वे अभी अपने धर्मग्रन्थों को देखकर निर्णय देने की तैयारी कर रहे थे कि धर्मबुद्धि ने उस वृक्ष को आग लगा दी, जहाँ से वह आवाज़ आई थी ।

थोड़ी देर में पापबुद्धि का पिता आग से झुलसा हुआ उस वृक्ष की जड़ में से निकला । उसने वनदेवता की साक्षी का सच्चा भेद प्रकट कर दिया । तब राजपुरुषों ने पापबुद्धि को उसी वृक्ष की शाखाओं पर लटकाते हुए कहा कि मनुष्य का यह धर्म है कि वह उपाय की चिन्ता के साथ परिणाम की भी चिन्ता करे । अन्यथा उसकी वही दशा होती है जो उन बगलों की हुई थी,

राजपुरुष	(m)	minister, court personel
आश्चर्य	(m)	astonishment
धर्मग्रन्थ	(m)	lawbook
तैयारी ही... कि		here when
आग लगाना	(t)	to set fire
झुलसना	(i)	to be scorched
सच्चा	(adj)	true, actual
भेद	(m)	meaning
प्रकट करना	(adj+t)	to make obvious
शाखा	(f)	branch
लटकाना	(t)	to hang, to suspend
मनुष्य	(m)	man, mankind
धर्म	(m)	duty
उपाय	(m)	scheme
परिणाम	(m)	consequence
चिन्ता करना	(f+t)	to consider
अन्यथा	(conj)	otherwise
दशा	(f)	fate, consequence
बगला	(m)	heron

जिन्हें नेवले ने मार दिया था ।

धर्मबुद्धि ने पूछा - "कैसे ?"

राजपुरुषों ने कहा - "सुनो..."

करने से पहले सोचो

जंगल में एक बड़े वटवृक्ष की खोल में बहुत से बगले रहते थे । उसी वृक्ष की जड़ में साँप भी रहता था । वह बगलों के छोटे-छोटे बच्चों को खा जाता था ।

एक बगला साँप द्वारा बार-बार बच्चों के खाये जाने पर बहुत दुःखी और विरक्त-सा होकर नदी के किनारे आ बैठा । उसकी आँखों में आँसू भरे हुए थे ।

उसे इस प्रकार दुःखी देखकर एक केकड़े ने पानी से निकल कर

नेवला	(m)	mongoose
मारना	(t)	to kill
सुनना	(t)	to listen
वटवृक्ष	(m)	Banyan tree
खोल	(f)	hole
साँप	(m)	snake
बार-बार	(adv)	time and again
दुःखी	(adj)	sad
विरक्त-सा	(adj)	rather dejected
नदी	(f)	river
किनारा	(m)	bank
आँख	(f)	eye
आँसु	(m)	tears
प्रकार	(m)	manner
केकड़ा	(m)	crab

उससे कहा कि "मामा ! क्या बात है ? आज रो क्यों रहे हो ?"

बगले ने कहा - "भैया ! बात यह है कि मेरे बच्चों को साँप बार-बार खा जाता है । कुछ उपाय नहीं सूझता, किस प्रकार साँप का नाश किया जाए । तुम्हीं कोई उपाय बताओ ।"

केकड़े ने मन में सोचा, यह बगला मेरा जन्म वैरी है, इसे ऐसा उपाय बताऊँगा, जिससे साँप के नाश के साथ-साथ उसका भी नाश हो जाए । यह सोचकर वह बोला - "मामा ! एक काम करो, माँस के कुछ टुकड़े लेकर नेवले के बिल के सामने डाल दो । इसके बाद बहुत-से टुकड़े उस बिल से शुरू करके साँप के बिल तक बखेर दो । नेवला उन टुकड़ों को खाता-खाता साँप के बिल तक आ जाएगा और वहाँ साँप को भी देखकर उसे मार डालेगा ।"

बगले ने ऐसा ही किया । नेवले ने साँप को तो खा लिया लेकिन साँप के बाद उस वृक्ष पर रहने वाले बगलों को भी खा डाला ।

मामा	(m)	maternal uncle
भैया	(m)	brother
सूझना	(i)	to suggest itself
नाश करना	(m+t)	to destroy
बताना	(t)	to tell
जन्मवैरी	(m)	natural enemy
(जन्म 'birth' + वैरी 'enemy')		
के साथ-साथ	(pp)	along with
माँस	(m)	meat
टुकड़ा	(m)	piece
बिल	(m)	hole
N से शुरू करके		beginning from N
बखेरना	(t)	to scatter
खाता-खाता		eating all the while
उस वृक्ष पर रकने वाले बगले		the herons who lived in that tree

बगले ने उपाय तो सोचा, लेकिन उसके परिणाम नहीं सोचे। अपनी मूर्खता का फल उसे मिल गया। पापबुद्धि ने भी उपाय तो सोचा, लेकिन उसका परिणाम नहीं सोचा।

अपरीक्षित काम का परिणाम बुरा होता है।

एक बार देवशर्मा नाम के ब्राह्मण के घर जिस दिन पुत्र का जन्म हुआ उसी दिन उसके घर में रहनेवाली नकुली ने भी एक नेवले को जन्म दिया। देवशर्मा की पत्नी बहुत दयालु स्वभाव की स्त्री थी। उसने उस छोटे नेवले को भी अपने पुत्र के समान ही पाला-पोसा और बड़ा किया। वह नेवला हमेशा उसके पुत्र के साथ खेलता था। दोनों में बड़ा प्रेम था। देवशर्मा की पत्नी भी दोनों के प्रेम क देख कर प्रसन्न थी। लेकिन, उसके मन में यह

मूर्खता	(f)	stupidity, foolishness
अपरीक्षित	(adj)	unexamined
परिणाम	(m)	result, consequence
बुरा	(adj)	bad
पुत्र	(m)	son
नकुली (नकुल m)	(f)	mongoose
दयालु	(adj)	warm-hearted
स्वभाव	(m)	nature, own being
के समान	(pp)	like, similar to
पाला-पोसा	(adj)	raised, reared
(from पालिना 'to protect' + पोसना 'to rear')		
हमेशा	(adv)	always, constantly
प्रसन्न	(adj)	happy

शंका हमेशा रहती थी कि कभी यह नेवला उसके पुत्र को न काट खाए । पशु के बुद्धि नहीं होती, मूर्खता से वह कोई भी अनिष्ट कर सकता है ।

एक दिन उसकी इस आशंका का बुरा परिणाम निकल आया । उस दिन देवशर्मा की पत्नी अपने पुत्र को एक वृक्ष की छाया में सुलाकर स्वयं पास के झील से पानी भरने गई थी । जाते हुए वह अपने पति देवशर्मा से कह गई थी कि वहाँ ठहरकर वह पुत्र की देख-रेख करे, कहीं ऐसा न हो कि

शंका	(f)	apprehension, suspicion
कहीं...पुत्र को न काट खाए	the न with शंका could be translated 'lest', e.g. 'was apprehensive lest he bite her son'	
(note)	न is also used in this type of construction with डर 'fear' and similar words	
काट खाना	(t)	to bite
पशु	(m)	beast, animal
पशु के	(note)	'animals have'
बुद्धि	(f)	wisdom, intelligence
अनिष्ट	(m)	harm, evil (lit. not desired)
आशंका	(f)	apprehension, fear
छाया	(f)	shadow, shade
सुलाना	(t)	to put to sleep
स्वयं	(reflex.pro.)	self
झील	(f)	lake
पानी भरना	(t)	to draw water
पति	(m)	husband
ठहरना	(i)	to stay
देख-रेख करना	(t)	to watch over
कहीं ऐसा न हो कि	(note)	lest, perhaps

नेवले उसे काट खाए। पत्नी के जाने के बाद देवशर्मा ने सोचा, नेवले और बच्चे में गहरी मैत्री है, नेवला बच्चे को हानि नहीं पहुँचाएगा। यह सोच कर वह अपने सोये हुए बच्चे और नेवले को वृक्ष की छाया में छोड़कर स्वयं भिक्षा के लोभ से कहीं चल पड़ा।

दैववश उसी समय एक काला नाग पास के बिल से निकला। नेवले ने उसे देख लिया। उसे डर हुआ कि कहीं यह उसके मित्र को न डस ले, इसलिए वह काले नाग पर टूट पड़ा, और स्वयं बहुत क्षत-विक्षत होते हुए भी उसने नाग के खण्ड-खण्ड कर दिये। साँप को मारने के बाद वह उसी दिशा में चल पड़ा, जिधर देवशर्मा की पत्नी पानी भरने गई थी। उसने

गहरा	(adj)	deep, profound
मैत्री	(f)	friendship
हानि पहुँचाना	(f+t)	to cause injury
छोड़ना	(t)	to leave
भिक्षा	(f)	alms, begging
लोभ	(m)	greed
कहीं	(adv)	here somewhere
चल पड़ना	(i)	to start off
दैववश	(adv)	by chance
काला	(adj)	black
नाग, साँप	(m)	snake
काला साँप		the Cobra
बाहर	(adv)	outside
डर	(m)	fear
कहीं...न	(adv)	perhaps
डसना	(t)	to bite, to sting
टूट पड़ना (पर)	(i)	to fall upon
क्षत-विक्षत	(adj)	cut and bleeding (e.g.)
खंड-खंड कर देना	(t) (pl)	to tear to pieces
दिशा	(f)	direction

सोचा कि वह उसकी वीरता की प्रशंसा करेगी किन्तु हुआ उसके विपरीत। उसके खून से सने शरीर को देख ब्राह्मण-पत्नी का मन उन्हीं पुरानी आशंकाओं से भर गया कि कहीं इसने उसके पुत्र को न मार दिया हो। यह विचार आते ही उसने क्रोध से सिर पर उठाये घड़े को नेवले पर फेंक दिया। छोटा-सा नेवला जल से भारी घड़े की चोट खा कर वहीं मर गया। ब्राह्मण-पत्नी वहाँ से भागती हुई, वृक्ष के नीचे पहुँची। वहाँ पहुँच कर उसने

वीरता	(f)	bravery
प्रशंसा करना	(f+t)	to praise
किन्तु	(conj)	but
विपरीत	(adj)	opposite
खून	(m)	blood
सनना	(i)	to be smeared
शरीर	(m)	body
पुराना	(adj)	old
भरना	(i)	to be filled
मारना	(t)	to kill
विचार	(m)	thought
क्रोध	(m)	anger
उठाना	(t)	to raise
घड़ा	(m)	pot, jug
फेंकना	(t)	to hurl, throw
जल	(m)	water
भारी	(adj)	heavy
N की चोट खाना	(t)	to receive a blow from
मर जाना	(i)	to die

देखा कि उसका पुत्र बड़ी शान्ति से सो रहा है, और उससे कुछ दूरी पर एक काले नाग का शरीर खण्ड-खण्ड हुआ पड़ा है। तब उसे नेवले की वीरता का ज्ञान हुआ। पश्चात्ताप से उसकी छाती फटने लगी।

इसी बीच ब्राह्मण देवशर्मा भी आ गया। वहाँ आकर उसने अपनी पत्नी को विलाप करते देखा तो उसका मन भी सशंकित हो गया। लेकिन पुत्र को कुशलपूर्वक सोते देख उसका मन शान्त हुआ। पत्नी ने अपने पति देवशर्मा को रोते-रोते नेवले के नाश का समाचार सुनाया और कहा - "मैं तुम्हें यहीं ठहराकर बच्चे की देख-भाल के लिए कह गई थी। तुमने भिक्षा के लोभ से मेरा कहना नहीं माना। इसीसे यह परिणाम हुआ।"

इसीलिये मैं कहता हूँ कि मनुष्य को लोभ नहीं करना चाहिये।

शान्ति	(f)	peace
दूरी	(f)	distance
ज्ञान	(m)	recognition
X को Y का ज्ञान हुआ	(note)	X understood Y
पश्चात्तपि	(m)	remorse, grief
छाती	(f)	breast, heart
फटना	(i)	to be torn
इसी बीच	(adv)	in the midst of this
विलापकरना	(m+t)	to lament, to weep
सशंकित	(adj)	alarmed
कुशलपूर्वक	(adj)	lit: full of well-being
सान्त	(adj)	calm, at peace
समाचार	(m)	news, story
देख-भाल	(f)	supervision
मानना	(t)	to accept, to comply with
मनुष्य	(m)	a man

मेंढक-साँप की मित्रता

एक कूएँ में गंगदत्त नाम का मेंढक रहता था। वह अपने मेंढक-दल का सरदार था। अपने बन्धु-बाँधवों के व्यवहार से खिन्न होकर वह एक दिन कुएँ से बाहर निकल आया। बाहर आकर वह सोचने लगा कि किस तरह उनके बुरे व्यवहार का बदला ले।

यह सोचते-सोचते वह एक सर्प के बिल के द्वार तक पहुँचा। उस बिल में एक काला नाग रहता था। इसे देखकर उसके मन में यह विचार उठा कि इस नाग द्वारा अपनी बिरादरी के मेंढकों का नाश करवा दे। शत्रु से शत्रु का वध करवाना ही नीति है। काँटे से ही काँटा निकाला जाता है। यह सोचकर

कूआँ	(m)	well
मेंढक	(m)	frog
मित्रता	(f)	friendship
दल	(m)	group
सरदार	(m)	leader
व्यवहार	(m)	behavior
खिन्न	(adj)	wearied, sick of
X का बदला लेना	(t)	to take revenge on X
सर्प	(m)	snake
द्वारा	(pp)	by means of
इस नाग द्वारा	note	by this snake
बिरादरी	(f)	brotherhood
नाश करवाना	(t)	to have (something) destroyed
शत्रु	(m)	enemy
वध	(m)	execution, slaughter
नीति	(f)	good policy
काँटा	(m)	thorn

वह बिल में घुस गया। बिल में रहने वाले नाग का नाम था प्रियदर्शन। गङ्गदत्त उसे पुकारने लगा। प्रियदर्शन ने सोचा - "यह साँप की आवाज़ नहीं है, तब कौन मुझे बुला रहा है ? किसी के कुल-शील से परिचय पाये बिना उसके साथ नहीं जाना चाहिये। कहीं कोई संपेरा ही उसे बुलाकर पकड़ने के लिये न आया हो।" इसलिए अपने बिल के अन्दर से ही उसने आवाज़ दी - "कौन है, जो मुझे बुला रहा है ?"

गंगदत्त ने कहा - "मैं गङ्गदत्त मेंढक हूँ। तेरे द्वार पर तुझसे मैत्री करने आया हूँ।"

यह सुनकर साँप ने कहा - "यह बात विश्वास-योग्य नहीं हो सकती। आग और घास में मैत्री नहीं हो सकती। वधिक और वध्य में स्वप्न में भी मित्रता असंभव है।"

घुसना	(i)	to enter
प्रियदर्शन	(pn)	"Lovely-to-Behold"
कुल-शील	(m)	family background
X से परिचय पाये बिना	note	without being familiar with X
के साथ	(pp)	with
संपेरा	(m)	snake charmer
अन्दर	(adv/pp)	inside
द्वार	(m)	door
मैत्री	(f)	friendship
विश्वास-योग्य	(adj)	credible, believable
आग	(f)	fire
घास	(f)	grass
वधिक	(m)	murderer, killer
वध्य	(m)	victim
स्वप्न	(m)	dream, fantasy
असंभव	(adj)	impossible

गंगदत्त ने उत्तर दिया - "तेरा कहना सच है। हम परस्पर स्वभाव से वैरी हैं, किन्तु मैं अपने स्वजनों से अपमानित होकर प्रतिकार की भावना से तेरे पास आया हूँ।"

प्रियदर्शन- "तू कहाँ रहता है?"

गंगदत्त - "कुएँ में।"

प्रियदर्शन - "पत्थर से चिने कुएँ में मेरा प्रवेश कैसे होगा? प्रवेश होने के बाद मैं वहाँ बिल कैसे बनाऊँगा?"

गंगदत्त - "इसका प्रबन्ध मैं कर दूँगा। वहाँ पहले ही बिल बना हुआ है। वहाँ बैठकर तू बिना कष्ट सब मेंढकों का नाश कर सकता है।"

प्रियदर्शन बूढ़ा साँप था। उसने सोचा - "बुढ़ापे में बिना कष्ट भोजन मिलने का अवसर नहीं छोड़ना चाहिये।" गंगदत्त के पीछे-पीछे वह कुएँ में उतर गया। वहाँ उसने धीरे-धीरे गंगदत्त के वे सब भाई-बन्धु खा डाले, जिन

सच	(adj)	true
परस्पर	(adj)	eachother, mutual
स्वजन	(m)	kinsman, relative
अपमानित	(adj)	disgraced
प्रतिकार	(m)	revenge
भावना	(f)	feeling,wish, desire
पत्थर	(m)	stone
चिना (हुआ)	(part)	lined
प्रवेश	(m)	admittance, entering
प्रबन्ध	(m)	arrangement
पहले ही	(adv)	already
बिना	(pp)	without
कष्ट	(m)	difficulty, trouble
बूढ़ा	(adj)	old
बुढ़ापा	(m)	old age
भोजन	(m)	meal, food
अवसर	(m)	opportunity

से गंगदत्त का वैर था। जब सब ऐसे मेंढक समाप्त हो गये तो वह बोला - "मित्र! तेरे शत्रुओं का तो मैं ने नाश कर दिया। अब कोई भी ऐसा मेंढक शेष नहीं रहा जो तेरा शत्रु हो। मेरा पेट अब कैसे भरेगा? तू ही मुझे यहाँ लाया था, तू ही मेरे भोजन का व्यवस्था कर।" गंगदत्त ने उत्तर दिया - "प्रियदर्शन! अब मैं तुझे तेरे बिल तक पहुँचा देता हूँ। जिस मार्ग से हम आये थे, उसी मार्ग से बाहर निकल चलते हैं।"

प्रिदर्शन - "यह कैसे सम्भव है! उस बिल पर तो अब दूसरे साँप का अधिकार हो चुका होगा।"

गङ्गदत्त - "फिर क्या किया जाए?"

प्रियदर्शन - "अभी तक तूने मुझे अपने शत्रु मेंढकों को भोजन के लिये देता है। अब दूसरे मेंढकों में से एक-एक करके मुझे देता जा, अन्यथा मैं सब को एक ही बार खा जाऊँगा।"

उतरना	(i)	to descend
वैर	(m)	enmity
समाप्त	(adj)	finished
शेष	(m/adj)	remainder, remaining
पेट	(m)	stomach
X की व्यवस्था करना	(f/t)	to manage X
मार्ग	(m)	way, road
संभव	(adj)	possible
X पर Y का अधिकार है	note	Y has control over, possession of X
हो चुका होगा	note	must be already
चुकना	note	(adds an aspect of completion)
एक एक करके	note	one at a time
देता जा	note	(imperative) 'keep on/ go on giving'
अन्यथा	(adv)	otherwise

गङ्गदत्त अब अपने किये पर पछताने लगा। जो अपने से अधिक बलशाली शत्रु को मित्र बनाता है, उसकी यही दशा होती है। बहुत सोचने के बाद उसने निश्चय किया कि वह शेष रह गये मेंढकों में से एक-एक करके साँप को देता जाएगा। सर्वनाश के अवसर पर आधे को बचा लेने में बुद्धिमानी है। दूसरे दिन से साँप ने दूसरे मेंढकों को भी खाना शुरू कर दिया। वे भी शीघ्र ही समाप्त हो गये। अन्त में एक दिन साँप ने गङ्गदत्त के पुत्र यमुनादत्त को भी खा लिया। गङ्गदत्त अपने पुत्र की हत्या पर रो उठा। उसे रोता देख कर उसकी पत्नी ने कहा - "अब रोने से क्या होगा ? अपने जातीय भाइयों का नाश करनेवाला स्वयं भी नष्ट हो जाता है। अपने ही जब नहीं रहेंगे, तो कौन हमारी रक्षा करेगा ?"

अगले दिन प्रियदर्शन ने गंगदत्त को बुला कर फिर कहा कि - "मैं भूख

किया	(m)	deed, action
X पर पछताना	(i)	to regret X
अधिक	(adj)	more
बलशाली	(adj)	powerful
सर्वनाश	(m)	extermination, total destruction
आधा	(m)	half
बचाना	(t)	to save
बुद्धिमानी	(f)	intellegence
अवसर	(m)	here occasion
शीघ्र	(adv)	quickly
अन्त	(m)	end
हत्या	(f)	murder, slaughter
जातीय	(adj)	of the same group, race
नष्ट	(adj)	destroyed
रक्षा करना	(f+t)	to protect
भूखा	(adj)	hungry

हूँ । मेंढक तो सभी समाप्त हो गये । अब तू मेरे भोजन का कोई प्रबन्ध कर । गङ्गदत्त को एक उपाय सूझ गया । उसने कुछ देर विचार करने के बाद कहा - "प्रियदर्शन ! यहाँ के मेंढक तो समाप्त हो गये, अब मैं दूसरे कुओं से मेंढकों को बुलाकर तेरे पास लाता हूँ । तू मेरी प्रतीक्षा करना ।"

प्रियदर्शन को यह युक्ति समझ आ गई । उसने गङ्गदत्त को कहा - "तू मेरा भाई है, इसलिये मैं तुझे नहीं खाता । यदि तू दूसरे मेंढकों को बुला कर लाएगा तो तू मेरे पिता समान पूज्य हो जाएगा ।"

गङ्गदत्त अवसर पाकर कुएँ से निकल गया । प्रियदर्शन लगातार उसकी प्रतीक्षा में बैठा रहा । बहुत दिन तक भी जब गङ्गदत्त वापस नहीं आया तो साँप ने अपने पड़ोस में रहने वाली गोह से कहा कि - "तू मेरी मदद कर । बाहर जाकर गंगदत्त को खोजना और उससे कहना कि यदि दूसरे मेंढक नहीं आते तो भी वह आ जाए, उस के बिना मेरा मन नहीं लगता ।"

गोह ने बाहर निकलकर गङ्गदत्त को खोज लिया । उससे भेंट होने पर वह बोली - "गंगदत्त ! तेरा मित्र प्रियदर्शन तेरी राह देख रहा है । चल, उसके मन

X की प्रतीक्षा करना	(f+t)	to wait for X
युक्ति	(f)	device, tactics
समान	(pp)	like, similar to
पूज्य हो जाना	(i)	to become respected
पाना	(t)	(to get), to take
लगातार	(adv)	constantly
पड़ोस	(m)	neighborhood
गोह	(f)	lizard
बाहर	(adv)	outside
खोजना	(t)	to search for
मेरा मन नहीं लगता	note	I am distracted
भेंट होने पर	note	upon meeting
राह देखना	(m+t)	to watch the road = to wait for
मन	(m)	mind, heart

को धीरज बंधा । वह तेरे बिना बहुत दुःखी है ।"

गंगदत्त ने गोह से कहा - "नहीं, मैं अब नहीं जाऊँगा । संसार में भूखे का कोई भरोसा नहीं, नीच स्वभाव के आदमी अक्सर निर्दय हो जाते हैं । प्रियदर्शन को कहना कि गङ्गदत्त अब वापस नहीं आएगा ।"

गोह वापस चली गई ।

शिक्षा का पात्र

किसी जंगल के एक घने वृक्ष की शाखाओं पर चिड़ा-चिड़ी का एक जोड़ा रहता था । अपने घोंसले में दोनों बड़े सुख से रहते थे । सर्दियाँ थीं । एक दिन हेमन्त की ठण्डी हवा चलने लगी और साथ में बूँदा-बाँदी भी शुरू हो

धीरज बंधाना	(t)	to console
संसार	(m)	world
भूखा here it is a noun	(m)	a hungry man
भरोसा	(m)	trust
नीच स्वभाव का	(adj.ph.)	shallow, mean
अक्सर	(adv)	often
निर्दय	(adj)	hard-hearted
शिक्षा	(f)	instruction
पात्र	(m)	(lit: object, vessel) candidate
घना	(adj)	dense, thick
चिड़ा-चिड़ी	(m+f)	sparrows
जोड़ा	(m)	pair
घोंसला	(m)	nest
सुख	(m)	happiness
सर्दी	(f)	cold weather
हेमन्त	(m)	winter
ठंडा	(adj)	cold
बूँदा-बाँदी	(f)	drops of rain

गई। उस समय एक बन्दर बर्फीली हवा और बरसात से ठिठुरता हुआ उस वृक्ष की शाखा पर आ बैठा। जाड़े के मारे उसके दाँत कटकटा रहे थे। उसे देख चिड़िया ने कहा - "अरे! तुम कौन हो? देखने में तो तुम्हारा चेहरा आदमियों का सा है, हाथ-पैर भी हैं तुम्हारे। फिर भी तुम यहाँ बैठे हो, घर बनाकर क्यों नहीं रहते?"

बन्दर बोला - "अरी! तुझसे चुप नहीं रहा जाता? तू अपना काम कर, मेरा उपहास क्यों करती है?"

चिड़िया फिर भी कुछ कहती गई। वह चिढ़ गया। क्रोध में आकर उसने चिड़िया के उस घोंसले को तोड़-फोड़ डाला जिस में चिड़ा-चिड़ी सुख से रहते थे।

इसीलिये यह कहा गया है कि जिस-तिस को उपदेश नहीं देना चाहिये।

बन्दर	(m)	monkey
बर्फ़ीली	(adj)	icy
बरसात	(m)	rains
ठिठुरना	(i)	to shiver
जाड़ा	(m)	winter, cold
के मारे	(pp)	on account of
कटकटाना	(i)	to chatter
विड़िया	(f)	bird
चेहरा	(m)	face
चुपना	(i)	to be silent
X से . . . pres.part.		be able to
तुझ से . . . जाता	note	can't you keep still
उपहास करना	(m+t)	to sneer at, to deride
चिढ़ना	(i)	to be irritated
तोड़-फोड़डालना	(t)	to tear apart
तोड़ना & फोड़ना	(t)	<u>both mean:</u> to break
जिस-तिस	(indef.pro. - oblique)	just anyone
उपदेश करना	(m+t)	to instruct, to preach

एक और एक ग्यारह

जंगल में वृक्ष की एक शाखा पर चिड़ा-चिड़ी का जोड़ा रहता था। उनके अण्डे भी उसी शाखा पर बने घोंसले में थे। एक दिन एक मतवाला हाथी वृक्ष की छाया में विश्राम करने आया। वहाँ उसने अपनी सूँड में पकड़कर वही शाखा तोड़ दी जिस पर चिड़ियों का घोंसला था। अंडे ज़मीन पर गिरकर टूट गये।

चिड़िया अपने अंडों के टूटने से बहुत दुःखी हो गई। उसका विलाप सुनकर उसका मित्र कठफोड़ा भी वहाँ आ गया।

उसने दुःखी होकर चिड़ा-चिड़ी को धीरज बंधाने का बहुत यत्न किया, किन्तु उनका विलाप शान्त न हुआ। चिड़िया ने कहा - "यदि तू हमारा सच्चा मित्र है, तो मतवाले हाथी से बदला लेने में हमारी मदद कर। उसको मारकर ही हमारे मन को शान्ति मिलेगी।"

कठफोड़े ने कुछ सोचने के बाद कहा - "यह काम हम दोनों का ही नहीं है। इसमें दूसरों से भी मदद लेनी पड़ेगी। एक मक्खी मेरी मित्र है, उसकी आवाज़ बड़ी सुरीली है। उसे भी बुला लेता हूँ।"

मक्खी ने भी जब कठफोड़े और चिड़िया की बात सुनी तो वह मतवाले हाथी को मारने में उनकी मदद करने को तैयार हो गई। लेकिन उसने भी कहा कि यह काम हम तीन का नहीं, हमें औरों की भी मदद लेनी चाहिये।

अंडा	(m)	egg
मतवाला	(adj)	mad, insane, <u>also</u> intoxicated
हाथी	(m)	elephant
विश्राम करना	(m+t)	to rest
सूंड	(f)	trunk, proboscis
गिरना	(i)	to fall
टूटना	(i)	to break
कठफोड़ा	(m)	woodpecker
X से बदला लेना	note	to get revenge on X
मक्खी	(f)	fly

मेरा मित्र एक मेंढक है । उसे भी बुला लाऊँ ।

तीनों ने जाकर मेघनाद नाम के मेंढक को अपनी दुःखभरी कहानी सुनाई । मेंढक उनकी बात सुनकर मतवाले हाथी के विरुध षडयन्त्र में मिल गया । उसने कहा - "जो उपाय मैं बतलाता हूँ, वैसा ही करो तो हाथी अवश्य मर जाएगा । पहले मक्खी हाथी के कान में वीणा के समान मीठे स्वर में आलाप करे । हाथी उसे सुनकर इतना मस्त हो जाएगा कि आँखें बन्द कर लेगा । कठफोड़ा उसी समय हाथी की आखों को चोंचें खुभो-खुभो कर फोड़ दे । अंधा होकर जब हाथी पानी की खोज में इधर-उधर भागेगा, तो मैं एक गहरे गड्ढे के किनारे बैठकर आवाज़ करूँगा । मेरी आवाज़ से वह तालाब होने का अनुमान करेगा और उधर ही जाएगा । वहाँ आकर वह गड्ढे को तालाब

मेघनाद	(pn)	"Thunder"
के विरुद्ध	(pp)	against
षडयन्त्र	(m)	conspiracy
मिल जाना	(i)	to be joined
कान	(m)	ear
वीणा	(f)	'veena', lyre
समान	(pp)	like
आलाप करना	(m+t)	to sing (e.g. slow section of a piece)
मस्त	(adj)	intoxicated
बन्द करना	(adj+t)	to close
चोंच	(f)	beak
चोंच खुभोना	(t)	to peck
चोंचें खुभो-खुभो	note	the plural and reduplication add repetitiveness
फोड़ना	(t)	to pierce, to split
अंधा	(adj)	blind
खोज	(f)	search
तालाब	(m)	pond, tank
अनुमान करना	(m+t)	to presume

समझकर उसमें उतर जाएगा। उस गड्ढे से निकलना उसकी शक्ति से बाहर होगा। देर तक भूखा-प्यासा रहकर वह वहीं मर जाएगा।"

अन्त में, मेंढक की बात मान कर सबने मिल-जुलकर हाथी को मार ही डाला।

बड़े नाम की महिमा

एक वन में चतुर्दन्त नाम का बड़ा हाथी रहता था। वह अपने हाथी- दल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहाँ के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गये। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त से कहा कि हमारे बच्चे भूख प्यास से मर गये, जो शेष हैं मरनेवाले हैं। इसलिए जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाए।

शक्ति	(f)	power
उसकी शक्ति से बाहर		beyond his power
देर तक	(adv ph)	for a long time
भूखा-प्यासा	(adj)	hungry and thirsty
मिलना-जुलना	(i)	to meet
महिमा	(f)	importance, dignity
मुखिया	(m)	leader, chief
बरस	(m)	year
सूखा	(m)	drought
झील	(f)	lake
तलैया	(f)	small pond
ताल	(m)	pond
सूखना	(i)	to dry up
मुरझाना	(i)	to wither
गजराज	(m)	elephant king
भूख-प्यास	(f)	hunger and thirst

बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा - "मुझे एक तालाब याद आया है। वह पाताल गंगा के जल से सदा भरा रहता है। चलो, वहीं चलें।" पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से ज़मीन पोली हो गई थी। हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए। बहुत-से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये।

हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहनेवाले क्षत-विक्षत खरगोशों ने मिलकर एक बैठक की। उसमें स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में

याद आना	(f+i)	to remember
पातालगंगा	(f)	The Subterranean Ganges
लम्बी	(adj)	long
यात्रा	(f)	trip
खेलना	(i)	to play
के चारों ओर	(pp)	all around (in all four directions)
खरगोश	(m)	rabbit
अनगिनत	(adj)	innumerable
पोला	(adj)	porous
कुचलना	(t)	to trample
गर्दन	(f)	neck
वापस चला जाना	(i)	to go back
बैठक	(f)	meeting
स्वर्गवासी	(adj)	(lit: 'living in heaven') dead
स्वर्ग	(m)	heaven
स्मृति	(f)	remembrance

दुःख प्रकट किया गया तथा भविश्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा - आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज़ इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो-चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जाएगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयंकर है, जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान।

इस संकट से बचने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा - हमें

दुख	(m)	sorrow, grief
तथा	(conj)	and
भविष्य	(m)	future
संकटघ	(m)	danger, calamity
आस-पास	(adv)	around, nearby
अन्यत्र	(adv)	elsewhere, some other place
के कारण	(pp)	because of
हर रोज़	(adv)	every day
रौंदना	(t)	to trample

verb past part. in /ā/ + करना = to repeatedly do verb

इस प्रकार	(adv)	in this manner
वंशनाश	(m)	destruction of the race, genocide
स्पर्श	(m)	contact, touch
भयंकर	(adj)	fearful
सूंघना	(m)	(sniff) here bite (of a snake)
हंसना	(m)	laugh
मानिनी	(f)	a displeased woman
मान	(m)	displeasure
सुझाव रखना	(m+t)	to put forth a suggestion

अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चला जाना चाहिये । यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है । एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का, गाँव के लिये, गाँव का, शहर के लिए, और सारी पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े, तो भी कर देना चाहिये ।

किन्तु दूसरे खरगोशों ने कहा - "हम तो अपने पितर लोग की भूमी को न छोड़ेंगे ।"

कुछ ने उपाय सुझाया कि खरगोशों की ओर से एक चतुर दूत हाथियों के दलपति के पास भेजा जाए । वह उससे यह कहे कि चाँद में जो खरगोश बैठा है, उसने हाथियों को इस तालाब में आने से मना किया है । संभव है चाँद पर रहने वाले खरगोश की बात को वह मान जाए ।

स्थान	(m)	place
अन्य	(adj)	another
परित्याग	(m)	abandonment, desertion
सर्वश्रेष्ठ	(adj)	best of all
पृथ्वी	(f)	earth
एक का . . . चाहिये	Trans:	Even if you have to abandon one person for a family. . . (etc.) and the whole world for your own protection, you should do it.
पितर लोग	(m)	ancestors
भूमि	(f)	ground, earth
चतुर	(adj)	clever, shrewd
दूत	(m)	messenger
दलपति	(m)	herd leader
चाँद	(m)	moon
मना करना	(t)	to forbid
संभव	(adj)	possible
मानना	(t)	to accept

बहुत विचार के बाद लम्बकर्ण नाम के खरगोश को दूत बनाकर हाथियों के पास भेजा गया। लम्बकर्ण भी तालाब के रास्ते में एक ऊँचे टीले पर बैठ गया, और जब हाथियों का दल वहाँ आया तो वह बोला - "यह तालाब चाँद का अपना तालाब है। यहाँ मत आया करो।"

गजराज - "तू कौन है ?"

लम्बकर्ण - "मैं चाँद में रहने वाला खरगोश हूँ। भगवान चन्द्र ने मुझे तुम्हारे पास यह कहने के लिये भेजा है कि इस तालाब में तुम मत आया करो।"

गजराज ने कहा - "जिन भगवान चन्द्र का सन्देश तुम लाये हो वह इस समय कहाँ है ?"

लम्बकर्ण - "इस समय वे तालाब में हैं। कल तुमने खरगोशों के बिलों का नाश कर दिया था। आज वे खरगोशों की बिनती सुनकर यहाँ आये हैं। उन्होंने मुझे तुम्हारे पास भेजा है।"

गजराज - "ऐसा ही है तो मुझे उन के दर्शन करा दो। मैं उन्हें प्रणाम करके वापस चला जाऊँगा।"

उस रात को लम्बकर्ण अकेले गजराज को लेकर तालाब के किनारे गया। तालाब में चाँद की छाया पड़ रही थी। गजराज उसे ही चाँद समझ कर

लम्बकर्ण	(pn)	"Longears"
रास्ता	(m)	path, way
टीला	(m)	mound, hill
सन्देश	(m)	message
बिनती/ वनिती	(f)	entreaty, prayer
A को X के दर्शन कराना	(t)	to show X to A
प्रणाम करना	(t)	to greet
अकेला	(adj)	alone
छाया	(f)	reflection, shadow
समझना	(i/t)	to understand

प्रणाम करने लगा। जब उसने प्रणाम में घुटना टेका तो उसकी सूँड से जल स्पर्श हुआ। चाँद की छाया हज़ार चाँदों की तरह नाचने लगी।

लम्बकर्ण ने चतुर्दन्त से कहा - "देख, तूने चाँद को क्रोध दिला दिया।"

चतुर्दन्त ने डरते-डरते पूछा - "क्या कारण है इसका ?"

"तूने चाँद का जल स्पर्श किया है। इसलिये तुझे लौट जाना होगा। फिर कभी इस तालाब को न आना।"

गजराज लौट गया। उस दिन के बाद कभी हाथियों का दल तालाब के किनारे नहीं आया।

अति लोभ नाश का मूल

एक बार मैं चौमासे में एक ब्राह्मण के घर गया था। वहाँ रहते हुए एक दिन मैं ने सुना कि ब्राह्मण और ब्राह्मण-पत्नी में यह बातचीत हो रही थी -

ब्राह्मण - "कल सुबह कर्क संक्रान्ति है, भिक्षा के लिये मैं दूसरे गाँव जाऊँगा। वहाँ एक ब्राह्मण, सूर्यदेव की तृप्ति के लिये कुछ दान करना चाहता है।"

घुटना	(m)	knee
घुटना टेकना	(t)	to kneel
हज़ार	(num)	thousand
की तरह	(pp)	like
नाचना	(i)	to dance
अति	(adj)	excessive
मूल	(m)	root
चौमासा	(m)	the four months of the rains
बातचीत	(f)	conversation
कर्क-संक्रान्ति	(f)	entrance of the sun into the zodiacal sign of the crab
तृप्ति	(f)	gratification
दान	(m)	gift

पत्नी - "तुझे तो कमाना भी नहीं आता। तेरी पत्नी होकर मैंने कभी सुख नहीं भोगा, मिठाइयाँ नहीं खाईं, कपड़े और आभूषणों की तो बात ही क्या कहनी ?"

ब्राह्मण - "देवी ! तुम्हें ऐसा नहीं कहना चाहिये। अपनी इच्छा के अनुरूप धन किसी को नहीं मिलता। भोजन तो मैं भी ले ही आता हूँ। इस से अधिक की तृष्णा का त्याग कर दो। अति तृष्णा के चक्कर में मनुष्य के सिर पर शिखा हो जाती है।"

ब्राह्मणी ने पूछा - "यह कैसे ?"

तब ब्राह्मण ने सूअर, शिकारी और गीदड़ की यह कथा सुनाई -

एक दिन एक शिकारी शिकार की खोज में जंगल की ओर गया।

कमाना	(t)	to earn, to get
सुख	(m)	comforts
भोगना	(t)	to partake of
आभूषण	(m)	ornaments, jewelry
X की बात ही क्या कहनी		not even to mention X
इच्छा	(f)	desire
के अनुरूप	(pp)	resembling
अधिक	(adj)	more
तृष्णा	(f)	avarice
त्याग	(m)	abandonment
चक्कर	(m)	wheel, here influence
सिर	(m)	head
शिखा	(f)	topknot
सूअर	(m)	pig
शिकारी	(m)	hunter
गीदड़	(m)	jackel
शिकार	(m)	prey, game

जाते-जाते उसे वन में अंजन के पहाड़ जैसा काला बड़ा सूअर दिखाई दिया। उसे देखकर उसने अपने धनुष की प्रत्यंचा को कानों तक खींचकर निशाना मारा। निशाना ठीक स्थान पर लगा। सूअर घायल होकर शिकारी की ओर दौड़ा। शिकारी भी तीखे दाँतों वाले सूअर के हमले से गिरकर घायल हो गया। उसका पेट फट गया। शिकारी और शिकार दोनों का अन्त हो गया।

इस बीच एक भटकता और भूख से तड़पता गीदड़ वहाँ आ निकला। वहाँ सूअर और शिकारी दोनों को मरा देखकर वह सोचने लगा, आज दैववश बड़ा अच्छा भोजन मिला है। कई बार बिना विशेष उद्यम के ही अच्छा भोजन मिल जाता है। इसे पूर्वजन्म का फल ही कहना चाहिये।

अंजन	(m)	soot, collyrium
पहाड़	(m)	mountain
धनुष	(m)	bow (archery)
प्रत्यंचा	(f)	bowstring
खींचना	(t)	to pull, to draw
निशाना	(m)	target
मारना	(t)	to hit
घायल	(adj)	wounded
तीखा	(adj)	sharp
हमला	(m)	attack
पेट	(m)	stomach
अन्त	(m)	end
भटकना	(i)	to wander
भूख	(f)	hunger
तड़पना	(i)	to writhe
दैववश	(adv)	by fate
विशेष	(adj)	special
उद्यम	(m)	effort
पूर्वजन्म	(m)	a previous birth

यह सोच कर वह मृत लाशों के पास जाकर पहले छोटी चीज़ें खाने लगा। उसे याद आ गया कि अपने धन का उपयोग मनुष्य को धीरे-धीरे करना चाहिये। इसका प्रयोग रसायन के प्रयोग की तरह करना उचित है। इस तरह अल्प से अल्प धन भी बहुत काल तक काम देता है। अतः इनका भोग मैं इस तरह करूँगा कि बहुत दिन तक इनके उपयोग से मेरी प्राणयात्रा चलती रहे।

यह सोचकर उसने निश्चय किया कि वह पहले धनुष की डोरी को खाएगा। उस समय धनुष की प्रत्यंचा चढ़ी हुई थी, उसकी डोरी धनुष के दोनों सिरों पर बंधी हुई थी। गीदड़ ने डोरी को मुख में लेकर चबाया। चबाते ही वह डोरी बहुत वेग से टूट गई, और धनुष के कोने का एक सिरा उस

मृत	(adj)	dead
लाश	(f)	corpse, carcass
उपयोग	(m)	use
प्रयोग	(m)	use
रसायन	(m)	medicine, chemical
उचित	(adj)	proper
अल्प से अल्प	(adj ph)	smallest, least (lit: less than less)
बहुत काल तक	(adv ph)	for a long time
अतः	(conj)	therefore
भोग करना	(m+t)	to use
इस तरह	(adv ph)	in this manner
प्राणयात्रा	(f)	life's journey, subsistance
डोरी	(f)	string
चढ़ना	(i)	to be strung (lit: to ascend)
बंधना	(i)	to be tied
मुख	(m)	mouth
चबाना	(t)	to chew
वेग	(m)	speed
कोना	(m)	tip, corner, end

के सिर को भेदकर ऊपर निकल आया, मानो सिर पर शिखा निकल आई हो। इस प्रकार घायल होकर वह गीदड़ भी वहीं मर गया।

ब्राह्मण ने कहा - "इसलिये मैं कहता हूँ कि अधिक लोभ से सिर पर शिखा हो जाती है।"

बिल्ली का न्याय

एक कौवे ने यह कथा सुनाई -

एक जंगल के जिस वृक्ष की शाखा पर मैं रहता था, उसके नीचे के तने में एक खोल के अन्दर कपिंजल नाम का तीतर भी रहता था। शाम को हम दोनों में खूब बातें होती थीं। हम एक दूसरे को दिन भर के अनुभव सुनाते थे और पुराणों की कथाएँ कहते थे।

एक दिन तीतर अपने साथियों के साथ बहुत दूर के खेत में धान की

भेद करना	(t)	to penetrate, to pierce
ऊपर	(adv)	on top
मानो	(adv)	as if
बिल्ली	(f)	cat
न्याय	(m)	justice
कौवा	(m)	crow
कथा	(f)	story
तना	(m)	trunk
कपिंजल	(pn)	(Partridge) Heathcock
तीतर	(m)	partridge
खूब	(adj)	pleasant
अनुभव	(m)	experience
पुराण	(m)	Purāṇas (texts)
साथी	(m)	companion
खेत	(m)	field
धान	(m)	rice, paddy

नई-नई कोंपलें खाने चला गया। बहुत रात बीते भी जब वह नहीं आया तो मैं बहुत चिन्तित होने लगा। मैं ने सोचा किसी बधिक ने जाल में न बाँध लिया हो, या किसी जंगली बिल्ली ने न खा लिया हो। बहुत रात बीतने के बाद उस वृक्ष की खाली खोल में शीघ्रग नाम का खरगोश घुस आया। मैं भी तीतर के वियोग में इतना दु:की था कि उसे रोका नहीं।

दूसरे दिन कपिंजल अचानक ही आ गया। धान की नई-नई कोंपलें खाने के बाद वह खूब मोटा-ताज़ा हो गया था। अपने खोल में आने के बाद उसने देखा कि वहाँ एक खरगोश बैठा है। उसने खरगोश को अपनी जगह खाली करने के लिये कहा। खरगोश भी तीखे स्वभाव का था, बोला - "यह घर अब तेरा नहीं है। झील, कूएँ, तालाब और वृक्ष के घरों का यही नियम है कि जो भी उस में बसेरा कर ले, उसका ही वह घर हो जाता है।

कोंपल	(f)	sprout
बीतना	(i)	elapse
चिन्तित	(adj)	worried
बधिक (=वधिक)	(m)	hunter
जाल	(m)	net
बाँधना	(t)	to catch
ख़ाली	(adj)	empty
शीघ्रग	(pn)	Speedy ('Fast-go')
वियोग	(m)	pangs of separation
रोकना	(t)	to prevent, to stop
अचानक	(adv)	suddenly
मोटा-ताज़ा	(adj)	fat and sassy
जगह	(f)	place
कुआँ	(m)	well
नियम	(m)	law, rule
जो भी	(rel pro)	whoever
बसेरा करना	(m+t)	to roost, to dwell

घर का स्वामित्व केवल मनुष्यों के लिए होता है ।
पक्षियों के लिए गृहस्वामित्व का कोई विधान नहीं है ॥"

झगड़ा बढ़ता गया । अन्त में, कपिंजल ने किसी भी तीसरे पंच से इस का निर्णय करने की बात कही । उनकी लड़ाई और समझौते की बातचीत को एक जंगली बिल्ली सुन रही थी । उसने सोचा, मैं ही पंच बन जाऊँ तो कितना अच्छा हो! दोनों को मार कर खाने का अवसर मिल जाएगा ।

यह सोच, हाथ में माला लेकर सूर्य की ओर मुख करके, नदी के किनारे कुशासन बिछाकर वह आँखें मूद बैठ गई और धर्म का उपदेश करने लगी । उस के धर्मोपदेश को सुनकर खरगोश ने कहा - "यह देखो! कोई तपस्वी

स्वामित्व	(m)	ownership
केवल	(adv)	only
पक्षी	(m)	bird
गृहस्वामित्व	(m)	home-ownership
विधान	(m)	regulation
झगड़ा	(m)	dispute
बढ़ना	(i)	to increase
पंच	(m)	arbitrator
लड़ाई	(f)	fight, quarrel
समझौता	(m)	agreement
माला	(f)	rosary, necklace
सूर्य	(m)	sun
कुशासन	(m)	Kusha-grass mat (used in Hindu religious ceremonies)
बिछाना	(t)	to spread out
मूँदना	(t)	to shut
धर्म	(m)	here law (pious duty)
उपदेश करना	(m+t)	to instruct, to preach
धर्मोपदेश = धर्म + उपदेश		law-instruction

बैठा है, इसीको पंच बनाकर पूछ लें ।" तीतर बिल्ली को देखकर डर गया, दूर से बोला - "मुनिवर ! तुम हमारे झगड़े को निपटारा कर दो ।" जिस का पक्ष धर्म-विरुध होगा, उसे तुम खा लेना ।"

यह सुन बिल्ली ने आँख खोली और कहा - "राम-राम ! ऐसा न कहो ! मैंने हिंसा का नारकीय मार्ग छोड़ दिया है । अतः मैं धर्म-विरोधी पक्ष वाले की भी हिंसा न करूँगी । हाँ, तुम्हारा निर्णय करना मुझे स्वीकार है । किन्तु मैं वृद्ध हूँ । दूर से तुम्हारी बात नहीं सुन सकती । पास आकर अपनी बात कहो ।"

बिल्ली की बात पर दोनों को विश्वास हो गया, दोनों ने उसे पंच मान लिया, और उसके पास आ गए । उसने भी झपट्टा मारकर दोनों को एक साथ ही पंजों में दबोच लिया ।

मनिवर = मुनि + वर	(voc)	'Oh Best of Sages'
निपटारा करना	(m+t)	to settle, to decide
पक्ष	(m)	side (in a quarrel), wing
धर्म-विरुद्ध	(adj)	against the law
खोलना	(t)	to open
हिंसा	(f)	violence
नारकीय	(adj)	leading to Hell (नरक)
धर्म-विरोधि	(adj)	against the law
स्वीकार	(m)	acceptance
मुझे स्व . . . है	(idiom)	is acceptable to me
वृद्ध	(adj)	old
X पर Y को विश्वास हो गया		X believed Y
X को पंच मानना	(t)	to agree on X as arbiter
झपट्टा मारना	(t)	to pounce upon
पंजा	(m)	claw
दबोच लेना	(t)	to sieze

इसी कारण मैं कहता हूँ कि नीच और व्यसनी को राजा बनाओगे तो तुम सब नष्ट हो जाओगे ।

रंगा गीदड़

एक दिन जंगल में रहने वाला चंडरव नाम का गीदड़ भूख से तड़पता हुआ, लोभ से नगर में भूख मिटाने के लिए आ पहुँचा ।

उसके नगर में प्रवेश करते ही नगर के कुत्तों ने भौंकते-भौंकते उसे घेर लिया और नोचकर खाने लगे । कुत्तों के डर से चण्डरव भी जान बचाकर भागा । भागते-भागते जो भी दरवाज़ा पहले मिला उसमें घुस गया । वह एक धोबी के मकान का दरवाज़ा था । मकान के अन्दर एक बड़ी कड़ाही में धोबी ने नील घोलकर नीला पानी बनाया था । कड़ाही नीले पानी से भरी थी । गीदड़ जब डरा हुआ अन्दर घुसा तो अचानक उस कड़ाही में जा गिरा ।

मिटाना	(t)	to assuage
प्रवेश करना	(m+t)	to enter
भौंकना	(i)	to bark
घेरना	(t)	to surround
नोचना	(t)	to tear
बचाना	(t)	to save
दरवाज़ा	(m)	door
धोबी	(m)	washerman, Dhobi
मकान	(m)	house
कड़ाही	(f)	cauldron
नील	(m)	blue (dye)
घोलना	(t)	to dissolve
नीला	(adj)	blue

वहाँ से निकला तो उसका रङ्ग ही बदला हुआ था । अब वह बिलकुल नीले रङ्ग का हो गया । नीले रंग में रंगा हुआ चंडरव जब वन में पहुँचा तो सभी पशु उसे देखकर चकित रह गये । वैसे रंग का जानवर उन्होंने आज तक नहीं देखा था ।

उसे विचित्र जीव समझकर, शेर, बाघ, चीते भी डर-डरकर जंगल से भागने लगे । सबने सोचा - "न जाने इस विचित्र पशु में कितना सामर्थ्य हो । इस से डरना ही अच्छा है. . . ।"

चंडरव ने जब सब पशुओं को डरकर भागते देखा तो बुलाकर बोला - "पशुओ ! मुझ से क्यों डरते हो ? मैं तुम्हारी रक्षा के लिये यहाँ आया हूँ । त्रिलोक के राजा ब्रह्मा ने मुझे आज ही बुलाकर कहा था कि - 'आजकल

रङ्ग	(m)	color
बदलना	(i)	to be changed
बिलकुल	(adv)	completely
रङ्गना	(t)	to color
चकित	(adj)	astonished
जानवर	(m)	animal
विचित्र	(adj)	strange
जीव	(m)	creature
शेर	(m)	lion
बाघ	(m)	tiger
चीता	(m)	cheetah
सामर्थ्य	(m)	powers
डरना	(i)	to fear
पशुओ !	(voc.pl)	animals!
त्रिलोक	(m)	The Three Worlds

चौपायों का कोई राजा नहीं है । सिंघ-मृगादि सब राजाहीन हैं । आज मैं तुझे उन सब का राजा बनाकर भेजता हूँ । तू वहाँ जा कर सब की रक्षा कर ।' इसीलिए मैं यहाँ आ गया हूँ । मेरी छत्रछाया में सब पशु आनन्द से रहेंगे ।"

यह सुनकर शेर-बाघ आदि पशुओं ने चंडरव को राजा मान लिया, और बोले - "स्वामी ! हम आप के दास हैं । आगे से आप की आज्ञा का ही पालनकरेंगे ।

चंडरव ने राजा बनने के बाद शेर को अपना प्रधान मन्त्री बनाया, बाघ को नगर-रक्षक और भेड़िये को सन्तरी बनाया । अपने आत्मीय गीदड़ों को

चौपाया	(m)	quadruped
सिंह-मृगादि		
सिंह	(m)	lion
मृग	(m)	deer
आदि		et cetera
राजाहीन	(adj)	kingless
-हीन	(suffix)	-less
छत्रछाया	(f)	protection, sovereignty
छत्र	(m)	umbrella
छाया	(m)	umbrella (a symbol of royalty)
आनन्द	(m)	joy
स्वामी	(m)	lord
दास	(m)	servant
आगे से	(adv ph)	in the future
पालन करना	(m+t)	to protect (here 'to carry out')
प्रधान मंत्री	(m)	Prime Minister
नगर-रक्षक	(m)	town guard, constable
भेड़िया	(m)	wolf
सन्तरी	(m)	sentry
आत्मीय	(adj)	own, related

जंगल से बाहर निकाल दिया । उसने बात भी नहीं की ।

उसके राज्य में शेर आदि जीव छोटे-छोटे जानवरों को मारकर चंडरव को भेंट करते थे । चंडरव उनमें से कुछ भाग खाकर शेष अपने नौकरों-चौकरों में बाँट देता था ।

कुछ दिन तो उसका राज्य बड़ी शान्ति से चलता रहा । किन्तु, एक दिन बड़ा अनर्थ हो गया ।

उस दिन चंडरव को दूर से गीदड़ों की किलकारियाँ सुनाई दीं । उन्हें सुनकर चंडरव का रोम-रोम खिल उठा । खुशी में पागल होकर वह भी किलकारियाँमारनेलगा ।

शेर-बाघ आदि पशुओं ने जब उसकी किलकारियाँ सुनीं तो वे समझ गये कि यह चंडरव ब्रह्मा का दूत नहीं, बल्कि मामूली गीदड़ है । अपनी मूर्खता पर लज्जा से सिर झुका कर वे आपस में सलाह करने लगे -

X से बात करना	(t)	to talk to X
राज्य	(m)	to reign
भेंट करना	(m+t)	to offer
नौकर-चौकर	(m)	entourage (lit: servants and the like)
बाँटना	(t)	to divide
अनर्थ	(m)	misfortune
किलकारी	(f)	sounds of joy (howling)
रोम	(m)	bristle, body hair
उस का रोम-रोम खिल उठा		'He trembled with joy.' (lit: All his body hair blossomed.)
किलकारियाँमारना	(f.pl+t)	to burst out with sounds of joy
बल्कि	(adv)	but rather
मामूली	(adj)	ordinary
लज्जा	(f)	shame
झुकाना	(t)	to hand down, to bend down
आपस में	(adv ph)	among themselves
सलाह करना	(f+t)	to confer

"इस गीदड़ ने तो हमें खूब मूर्ख बनाया, इसे इसका दण्ड दो, इसे मार डालो।"

चंडरव शेर-बाघ आदि की बात सुन ली। वह भी समझ गया कि उसकी पोल खुल गयी है। अब जान बचानी कठिन है। इसलिए वह वहाँ से भागा। किन्तु, शेर के पंजे से भागकर कहाँ जाता? एक ही छलांग में शेर ने उसे दबोचकर खण्ड-खण्ड कर दिया।

इसलिए मैं कहता हूँ कि जो आत्मीयों को दुत्कारकर परायों को अपनाता है उसका नाश हो जाता है।

दण्ड देना	(m+t)	to punish
पोल	(f)	falsity, hollowness
अब उसकी पोल खुल गई है।		Now his secret was out.
जान	(f)	life
कठिन	(adj)	difficult
छलाँग	(f)	leap
दुत्कारना	(t)	to abuse
पराया	(m)	alien, of another kind (pariah)
अपनाना	(t)	to take to oneself, to espouse